an>

Tilte: Need to take steps to improve the ratio of girl students in higher educational institutions of the country.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : माननीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका प्रदान किया। मैं आपके समक्ष पुरुष और महिला का अनुपात जन्म से सर्वोच्च पंचायत तक रखना चाहता हूं। 2011 की जनगणना के अनुसार 1000 पुरुषों पर 940 महिलाएं हैं। यह अत्यंत ही चिंताजनक विषय है। देश में पुरुष और महिलाओं का लिटरेसी रेट 82 परसेंट और 65 परसेंट है।

19.00 hrs

उसमें भी 17 परसैन्ट का फर्क है। जहां तक सर्वोच्च शिक्षण संस्थाओं का सवाल है, वहां हालत और भी ज्यादा बुरी है। चाहे आईआईटी ले लीजिए, चाहे आईआईएम ले लीजिए, अगर वहां देखा जाए तो उसमें महिलाएं सिर्फ 20 परसैन्ट ही हैं और जबकि पुरुषों का अनुपात 80 परसैन्ट है। इतना ही नहीं हम जिस सर्वोच्च पंचायत लोक सभा में बैठे हैं, उसमें भी सिर्फ दस प्रतिशत महिलाएं हैं।

अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह इस बारे में उचित कदम उठाये।